विभिन्न केन्द्रों पर सम्पन्न कार्यक्रम

मार्च 2022 से जून 2022

- **होशियारपुर,** पंजाब में 6 मार्च को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 56 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **जबलपुर**, मध्यप्रदेश में 12 एवं 13 मार्च को दो दिवसीय खुले सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें 192 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **इन्दौर**, मध्य प्रदेश में 21 से 24 मार्च तक तीन रात्रि साधना सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें 112 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **हिसार**, हरियाणा में 26 एवं 27 मार्च को दो दिवसीय खुले सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें 34 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **सिरसा**, हरियाणा में 11 अप्रेल को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 58 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **फाज़लपुर**, कपूरथला पंजाब में 12 से 17 अप्रेल तक पाँच दिवसीय साधना सत्संग में 9 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **ज्वाली**, हिमाचल प्रदेश में 17 अप्रेल को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 350 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **भरेड़ी**, हिमाचल प्रदेश में 24 अप्रेल खुले सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें 40 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **गुना**, मध्यप्रदेश में 29 अप्रेल को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 295 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **रतनगढ़**, राजस्थान में 30 अप्रेल से 1 मई तक खुले सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें 300 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **कण्डाघाट**, हिमाचल प्रदेश में 8 मई को खुले सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें 25 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **ग्वालियर** में 14 मई को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 9 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **चम्बी**, हिमाचल प्रदेश में 22 मई को खुले सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें 54 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **फरीदाबाद**, हरियाणा में 25 मई को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 67 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **मण्डी**, हिमाचल प्रदेश में 27 मई को खुले सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें 20 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **तारागढ**, पंजाब में 1 जून को नवनिर्मित श्रीरामशरणम् का भव्य उद्घाटन हुआ जिसके बाद 200 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **जालन्धर**, पंजाब 5 जून को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 104 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **मनाली**, हिमाचल प्रदेश में 14 जून से 16 जून तक 3 दिवसीय खुले सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें 25 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **दिल्ली श्रीरामशरणम्** में मार्च, अप्रेल और मई में 125 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।

- **ग्वालियर में रविवारीय (साप्ताहिक) सत्संग का शुभारम्भ**–परमात्मा श्री राम, परम पूजनीय श्री स्वामी सत्यानन्द जी महाराज, परम पूजनीय श्री प्रेम जी महाराज एवं परम पूजनीय श्री विश्वामित्र जी महाराज की अहैतुकी कृपा व आशीर्वाद से श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट (श्रीरामशरणम्) लाजपतनगर, दिल्ली की सम्बद्धता के साथ, गुरु त्रयी की भावमयी उपस्थिति में, श्रीरामशरणम् परिवार, ग्वालियर को निमित्त बनाकर, ग्वालियर में 8 मई से रविवारीय साप्ताहिक सत्संग प्रारम्भ हुआ है।

  शुभारम्भ के उपलक्ष्य में 7 मई 2022, शनिवार को श्री सुन्दरकाण्ड जी का पाठ तथा 12 घंटे का अखण्ड जाप भी हुआ। साप्ताहिक (रविवारीय) सत्संग, प्रातः 8-00 से 9-30 बजे तक होता है। स्थान : श्री अमृतवाणी सत्संग परिसर, सरस्वती हॉल, विनोद मार्केट के ऊपर, दीनानाथ ग्यासीलाल, दाल बाजार लश्कर, ग्वालियर। ■

Online Programmes held between 22nd February and May With the grace of Pujniya Gurujans, Satsangs broadcast through Shree Ram Sharnam's official Facebook and Youtube channel continue to be enthusiastically attended despite the end to Covid-19 restrictions.

Daily average attendance had been ever growing and Sunday Satsangs are also being attended and enjoyed by sadhaks around the world. The average number of daily attendees is more than 3000 sadhaks and the average for Sunday Satsangs is over 4680. Attendance at special events has been enthusiastic. Thus, Pujniya Maharaj Ji's avtaran diwas on 15th March had 6422 attendees and avtaran divas of Pujniya Swami Ji Maharaj on 16th April had a viewership of approximately 3965 people.

Online daily and Sunday Satsang broadcasts continue as does Sunderkand path on the 2nd of every month. Special programmes also continue to be broadcast online. ■

श्रीरामशरणम परिवार गुना द्वारा अमृतवाणी सत्संग एवं राम नाम की दीक्षा कार्यक्रम आयोजित

गुना में पहली बार वृहद अमृतवाणी सत्संग का श्रद्धालुओं को मिला लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

श्रीरामशरणम परिवार, गुना द्वारा 29 अप्रैल शुक्रवार को शाम 6 से 7.15 बजे तक, श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर विवेक कॉलोनी के परिसर में पहली बार आयोजित हुए वृहद अमृतवाणी सत्संग का लाभ बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालु जनों ने लिया। गुना नगर में पूर्ण अनुशासन व समयबद्धता के साथ तीव्र गर्मी के बावजूद, नगर व बाहर से भारी संख्या में आये हर वर्ग के श्रद्धालु जनों ने भावचाव के साथ, श्रीरामशरणम के संस्थापक परम पूजनीय श्री स्वामी सत्यानन्द जी महाराज द्वारा रचित श्री अमृतवाणी जी के सुमधुर पाठ व अद्वितीय भजन कीर्तन का आनन्द लाभ लिया।

साथ ही परम पूजनीय संत श्री विश्वामित्र जी महाराज की जीवंत, ओजस्वी वाणी में वीडियो के माध्यम से "गुरुतत्व" पर हुए सारगर्भित आध्यात्मिक प्रवचन का भी लाभ लिया। इस प्रवचन में परम पूजनीय श्री महाराज जी ने गुरु 'शरीर' नहीं ₹ तत्व ₹ है, इस जटिल बिंदु को भी सरलतम उदाहरणों द्वारा समझाया। (छान्दोग्योपनिषद् में भी वर्णित है कि आत्मा को और सच्चे सुखों को भली प्रकार जानकर शरीर छोड़ने वाले मुक्तात्माओं का सारे लोकों में स्वतंत्र संचार हो जाता है वे सर्वत्र निर्बाध हो जाते हैं। स्पष्ट है कि देहत्याग के बाद गुरु भी सबके साथ और पास रहता है, रह सकता है। पूजनीय श्री महाराज जी ने वस्तु प्रधान व भाव

प्रधान साधना पद्धति का उल्लेख करते हुए श्रीरामशरणमकी भाव प्रधान साधना पद्धति के बारे में भी बड़े सुंदर ढंग से समझाया। लगभग आधा घंटे का यह धारा प्रवाह प्रवचन और इसका एक - एक शब्द हम सभी को सारे भ्रमजाल और भटकनों से मुक्त रखने के लिए विवेक पूर्ण तर्कों का अमोघ राम बाण रूपी सरल और सारवा-उपचार है।

कार्यक्रम के अंत में (144 देवियाँ और 151 पुरुष) कुल 295 नवीन इच्छुक साधकों ने, परम पूजनीय श्री विश्वामित्र जी महाराज की तेजस्वी, ओजपूर्ण, जीवंत वाणी में "नाम दीक्षा" ग्रहण कर स्वयं को धन्य बनाया। कार्यक्रम में गाजियाबाद दिल्ली, इंदौर,भोपाल ,रायसेन,होशंगाबाद,शिवपुरी,अशोकनगर आदि जगह से श्रीरामशरणम परिवार के साधक सम्मिलित हुए सत्संग की उपस्तिथि 800-1000 के लगभग रही उलेखनीय है कि प्रत्येक रविवार को श्रीरामशरणम कमला भवन में प्रत्येक रविवार को श्री अमृतवाणी सत्संग का कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से 9:15 बजे तक होता है इसमें भेंट,चढ़ावा, फल, फूल,का प्रसाद नही होता है इसमें समयबद्धता,अनुशासन, आडम्बर विहीनता,बंधन रहित, पेर छूना-छूलाना वर्जित, मानस उपासना का सरलतम , यह संत पथ है कोई मत या साम्प्रदायक। ■

Sadhna Satsang (July to December 2022)

Haridwar	30 June to 3rd July	Thursday to Sunday
Haridwar	8 to 13 July	Friday to Wednesday
Haridwar (Ramayani Satsang)	25 Sept to 4 Oct	Sunday to Tuesday
Haridwar	11 to 14 November	Friday to Monday
Fazalpur (Kapurthala)	18 to 21 November	Friday to Monday

Open Satsang (July to December 2022)

Delhi	27 to 29 July	Wednesday to Friday
Rohtak	13 to 14 August	Saturday to Sunday
Rewari	3 to 4 September	Saturday to Sunday
Gurdaspur	7 to 9 October	Friday to Sunday
Pathankot	15 to 16 October	Saturday to Sunday
Jammu	28 to 30 October	Friday to Sunday
Amritsar	6 November	Sunday
Sujanpur	25 to 27 November	Friday to Sunday
Alampur (H.P.)	4 December	Sunday
Bhiwani	10 to 11 December	Saturday to Sunday
Surat	17 to 18 December	Saturday to Sunday

Naam Deeksha in Delhi, Shree Ram Sharnam (July to December 2022)

July	13	Wednesday	4.00 PM
August	21	Sunday	10.30 AM
September	11	Sunday	10.30 AM
October	23	Sunday	10.30 AM
December	25	Sunday	11.00 AM

Purnima (July to December 2022)

July	13	Wednesday
August	12	Friday
September	10	Saturday
October	9	Sunday
November	8	Tuesday
December	8	Thursday

Diksha In Other Centres (July to December 2022)

Rohtak, Haryana	Sunday	14 August
Rewari, Haryana	Sunday	4 September
Gurdaspur, Punjab	Sunday	9 October
Pathankot, Punjab	Sunday	16 October
Jammu, J&K	Sunday	30 October
Amritsar,Punjab	Sunday	6 November
Fazalpur, Punjab	Sunday	20 November
Sujanpur, Punjab	Sunday	27 November
Alampur, HP	Sunday	04 December
Bhiwani, Haryana	Sunday	11 December
Surat,Gujrat	Sunday	18 December

Dear Children, Below is a word search. There are ten questions and the correct answers are hidden. Please search for them:

1. The name of the mother of Lord Ram?
2. The name of the father of Lord Ram.
3. Name of the Guru of Lord Ram?
4. Guru Purnima is known by one more name. Search for the name.
5. Name of the God who carried the Sanjivani booti for Lakshman.
6. Whose avatar is Lord Ram?
7. The name of the first demon who was killed by Lord Ram.
8. For how many years was Lord Ram in exile?
9. The name of the brother of Ravana who left Lanka and helped Lord Ram in the battle against Ravana?
10. The name of the place in Lanka where Lord Hanuman found Ma Sita ?

WORD SEARCH

D	S	H	V	B	R	T	G	X	B	V	R	I	P
G	O	B	E	M	F	R	O	Y	C	N	B	T	D
F	S	E	D	A	S	H	A	R	A	T	H	A	Y
X	C	N	V	Q	Y	N	T	F	F	P	A	E	V
K	N	A	Y	R	P	T	C	S	D	A	N	H	I
A	K	N	A	T	B	R	O	T	C	A	U	B	B
U	V	A	S	H	I	S	T	H	N	E	M	A	H
S	Q	K	H	A	U	A	W	K	Q	D	A	R	I
A	L	D	O	F	H	N	B	L	X	R	N	E	S
L	P	E	K	E	O	D	E	P	H	O	T	A	H
Y	D	V	A	G	N	E	A	R	A	A	I	D	A
A	G	H	R	J	H	E	R	K	T	K	A	Q	N
I	B	V	Y	A	S	P	U	R	N	I	M	A	A
M	M	T	S	D	N	A	O	M	A	O	H	F	T
A	Y	O	V	O	W	N	A	V	I	S	H	N	U
Z	L	F	L	M	J	I	X	P	E	M	A	I	N
J	E	W	I	S	K	E	T	A	D	A	K	A	p
F	O	U	R	T	E	E	N	A	N	R	G	T	A

Answers: Kausalya, Dasharath, Vashisth, Vyas Purnima, Hanuman, Vishnu, Tadaka, Fourteen, Vibhishana, Ashoka

यदि आप 'सत्य साहित्य' की इस प्रति को नहीं रखना चाहते,
तो कृपया इसे अपने स्थानीय केन्द्र या निकटतम श्रीरामशरणम् को लौटा दें।

प्रकाशक मुद्रक श्री अनिल दीवान द्वारा श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, 8 ए रिंग रोड, लाजपत नगर–IV नई दिल्ली. 110024 से प्रकाशित
एवं रेव स्कैनस प्राइवेट लिमिटेड, 216, सेक्टर - 4, आई.एम.टी. मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा- 122051 से मुद्रित। संपादकः मेधा मलिक कुदेसिया एवम् मालविका राय

Publisher and printer Shri Anil Dewan for Shree Swami Satyanand Dharmarth Trust, 8-A Ring Road, Lajpat Nagar IV, New Delhi 110024 and
printed at Rave Scans Private Limited, 216, Sector-4, IMT Manesar, Gurugram, Haryana-122051. Editors: Medha Malik Kudaisya and Malvika Rai.

©श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, नई दिल्ली

ईमेल: shreeramsharnam@hotmail.com
वेबसाईट: www.shreeramsharnam.org

RNI No. DELBIL/2017/72924